हरिभूमि

विदिशा-रायसेन भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, सोमवार 31 अगस्त 2026

गंजबासौदा | सांची | सिरोंज | लटेरी | गैरतगंज | बेगमगंज | सुल्तानपुर | बाड़ी | बरेली

04 भुजरिया मिलन में यादव समाज ने लिया नशा मुक्ति का...



07 बरेली के 132 केवी बिजली सब स्टेशन पहुंचे राज्य...



खबर संक्षेप

वृद्ध आश्रम में मनाया सुपर संडे, बुजुर्गों और दिव्यांग बच्चों की सेवा

विदिशा। शिक्षा विभागीय गौ सेवा पर्यावरण संरक्षण सेवा समिति ने श्री हरि वृद्ध आश्रम में रविवार को 'सुपर संडे' मनाया गया। इस दौरान बुजुर्गों को भुजरिया भेंट कर आशीर्वाद लिया गया और दिव्यांग बच्चों को स्वल्पाहार कराया गया। भुजरिया मिलन समारोह में मंडी पोस्ट ऑफिस से सेवानिवृत्त सुभाष तालेगांवकर का शॉल, श्रीफल व मालाओं से सम्मान किया गया। उन्होंने बुजुर्गों को 10 डबल बेडशीट वितरित करने के साथ भोजन के लिए 1 हजार रुपए दिए। कार्यक्रम में राकेश जैन, गोपाल खंडेलवाल, मनोज माली सहित समिति के सदस्य मौजूद रहे। आश्रम की केसर जहां ने आभार जताया।

गले मिलकर मनाया भुजरिया पर्व, एकता और भाईचारे का दिया संदेश

ग्यारसपुर। पटेल मोहल्ला स्थित बंगला भवन में कुशवाह समाज ने दशकों पुरानी परंपरा के तहत भुजरिया पर्व श्रद्धा और उमंग के साथ मनाया। समाजजनों ने एक-दूसरे को भुजरिया भेंट कर गले मिलकर प्रेम, सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया। इस दौरान समाज की उन्नति, संगठन, शिक्षा और रोजगार को लेकर चर्चा हुई। अंधविश्वास व कुरीतियों के खिलाफ जनजागृति अभियान चलाने पर जोर दिया गया। युवाओं को शिक्षित होकर आगे बढ़ने और समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। समाजजनों ने नशे से दूर रहने की शपथ भी ली। कार्यक्रम में भगवान सिंह कुशवाहा, रतन पटेल, राजू कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में समाजजन मौजूद रहे।

नए सत्र का शुभारंभ छात्रों ने किया पौधरोपण

ग्यारसपुर। जन अभियान परिषद द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के अंतर्गत एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू कक्षाओं के नए सत्र का शुभारंभ स्थानीय सांदीपनी विद्यालय में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राघवेन्द्र शर्मा एडवोकेट ने दीप प्रज्वलित कर किया। ब्लॉक समन्वयक स्वदेश आचार्य ने पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए छात्रों को सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के उद्देश्यों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि राघवेन्द्र शर्मा ने छात्रों से संवाद करते हुए व्यक्तित्व विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

अमित बने मन की बात के जिला प्रभारी

विदिशा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडलेवाल, भाजपा के जिला प्रभारी सीताराम यादव, विधायक मुकेश टंडन की सहमति से भाजपा जिलाध्यक्ष महाराज सिंह दांगी ने मन की बात के जिला प्रभारी के पद पर अमित श्रीवास्तव को नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं एवं साथियों ने उन्हे बधाई दी है।



बैठकों तक सीमित है अतिक्रमण हटाने और यातायात सुगम बनाने का प्लान

मुख्य बाजार में भरा पड़ा अतिक्रमण कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति

- त्योहार के बाद फिर से बढ़ा मुख्य बाजार में अतिक्रमण।

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

शहर के मुख्य बाजार में लंबे समय से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हुई है। त्योहार में अतिक्रमण और अधिक बढ़ गया है। शहर के मुख्य बाजार में कई जगह ऐसी हैं जो परमानेंट अतिक्रमण से घिरी हुई हैं। बार बार हटाने के बाद भी यहां पर अतिक्रमण हो जाता है।

कई दुकानों के आगे सड़क पर काउंटर रखकर और सामान रखकर अतिक्रमण किया जा रहा है। नगरपालिका ने मुख्य बाजार में अतिक्रमण हटाने के लिए लंबे समय से कोई अभियान नहीं चलाया है। जिसके कारण बार बार जाम की स्थिति बनती है। कई दुकानदारों ने दुकानों के आगे अस्थाई छज्जे बना लिए हैं। शहर मुख्य बाजार की सड़क संकरी हो दिखाई देने लगती है। अब शहर के आठ प्रमुख चौराहों के सौंदर्यकरण की बात कही जा रही है। 200 अस्थाई दुकानें शिफ्ट करने की बात कही जा रही है। लेकिन पूर्व में अतिक्रमण हटाने की जो कार्रवाई की गई थी अब वह अतिक्रमण फिर से वहीं पहुंच गया है। अब सात चौराहों के सौंदर्यीकरण पर विधायक निधि से करीब 1.50 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। नगरपालिका ने इंदौर की कंसल्टेंसी एजेंसी एसएस इंफ्रा को चौराहों की ड्राइंग-डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी है। तीन दिन पहले एजेंसी के इंजीनियरों के साथ विधायक मुकेश टंडन, नपाध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश शर्मा, नपा सीएमओ दुर्गेश सिंह ठाकुर और प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण किया था। इसके बाद एजेंसी को डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई।



विदिशा। कोतवाली के पास खाली पड़ी जगह पर दुकानदारों ने अतिक्रमण करने के लिए इस तरह से व्यवस्था बनाई है।

अतिक्रमण हटाने के बाद नगरपालिका नहीं करवाती मॉनिटरिंग

नियमित मॉनिटरिंग न होने के कारण अतिक्रमण हटाने की सिर्फ खानापूर्ति ही की गई है। मुख्य बाजार में पुरानी नगरपालिका के बगल में और सामने अतिक्रमण है। कोतवाली से लगकर भी अतिक्रमण किया हुआ है। इसके आगे की दुकानें का सामान सड़क पर रखा रहता है। कुछ दिनों पहले नगरपालिका ने बाल विहार की शराब दुकान के पास से अतिक्रमण हटाया था अब वहां फिर से अतिक्रमण होने लगा है। इसी के साथ पुराने बसस्टैंड क्षेत्र में नगरपालिका ने दो पहिया और चार पहिया वाहन पार्किंग बनाई थी। वहां पर कंडम वाहन खड़े हो रहे हैं, तो कहीं मैकेनिकों ने दुकानों पर सुधरने आने वाले वाहन खड़े कर दिए हैं। जिससे दो पहिया और चार पहिया वाहनों को रखने के लिए जगह ही नहीं बीच है। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सिर्फ बैठकों में मंथन हो रहा है। धरातल पर कोई काम होते दिखाई नहीं दे रहा है।

कोई भी परिषद खाई में शिफ्ट नहीं करा पाई बड़ा बाजार के ठेले

बड़ा बाजार में यातायात का दबाव कम करने के लिए खाई रोड पर अस्थाई बाजार शिफ्ट करने की सिर्फ बात कही जाती है धरातल पर कुछ भी नहीं हो पाता। जबकि यहां नगरपालिका ने फल सब्जी के ठेले शिफ्ट करने के लिए एक शेड का भी निर्माण कराया था। लेकिन यहां बकरियां बांधी जा रहीं हैं और अतिक्रमण कर लिया गया है। नगरपालिका की योजना बड़ाबाजार से तिलक चौक होते हुए माधवगंज चौराहे तक करीब 200 अस्थायी दुकानों को वैकल्पिक स्थानों पर शिफ्ट करने की है। हालांकि ऐसी योजनाएं इससे पहले भी कई बार बन चुकी हैं, लेकिन धरातल पर नहीं आईं।

नेपाल में लापता विदिशा की स्वाति की तलाश तेज

चीन-तिब्बत बॉर्डर पर टूटा संपर्क, मोबाइल पर अभी भी बज रही है रिंग, विदेश मंत्रालय कर रहा प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

नेपाल में बाढ़ के बीच लापता विदिशा की स्वाति बागरेचा की तलाश के प्रयास अब केंद्र स्तर पर भी शुरू हो गए हैं।

दरअसल कनाडा के टोरंटो में इंजीनियर स्वाती बागरेचा कैलाश मानसरोवर यात्रा पर गई थीं। वह चीन-तिब्बत सीमा के पास से लापता हो गई हैं। 26 अगस्त की सुबह 9 बजे परिवार से संपर्क टूट गया था। परिवार के अनुसार स्वाति का मोबाइल फोन अभी चालू है और उस पर कॉल करने पर घंटी भी जा रही है। हालांकि, कॉल रिसीव नहीं हो रही है। परिवार की नजर अब हर फोन कॉल पर है। एक तरफ स्वाति के मोबाइल की बजती घंटी उम्मीद जगा रही है तो दूसरी तरफ कॉल रिसीव नहीं होने से चिंता भी बढ़ रही है। परिवार और परिचित लगातार स्वाति के सुरक्षत लौटने की प्रार्थना कर रहे हैं। विदिशा आए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से फोन पर बात की है।

उन्होंने अधिकारियों को स्वाति के मामले की जानकारी दी। उसका मोबाइल नंबर भी साझा किया। उन्होंने अधिकारियों से स्वाति की लोकेशन और नेपाल में उसकी स्थिति का पता लगाने के लिए आवश्यक प्रयास करने को कहा।

परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा

विदिशा आए शिवराज सिंह चौहान ने परिवार को भरोसा दिलाया कि वे इस मामले में लगातार संपर्क में रहेंगे।



उन्होंने कहा कि स्वाति की तलाश के लिए विदेश मंत्रालय और संबंधित स्तर पर जानकारी साझा कर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। मंत्री के आश्वासन के बाद परिवार को स्वाति की तलाश तेज होने की उम्मीद है। परिजन लगातार उसके मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। मोबाइल पर घंटी जाने के बावजूद कॉल रिसीव नहीं होने से परिवार उसकी स्थिति को लेकर चिंतित है।

शिवराज बोलेः हम लगातार प्रयास करेंगे

परिवार से मुलाकात के दौरान शिवराज सिंह चौहान ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वे स्वयं भी इस मामले को लेकर लगातार प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वाति की तलाश के लिए विदेश मंत्रालय और संबंधित स्तर पर जानकारी साझा कर आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री के आश्वासन के बाद परिवार को भी उम्मीद जगी है कि अब स्वाति की तलाश के प्रयास तेज होंगे और जल्द ही उसकी स्थिति का पता चल सकेगा।

मिर्जापुर के पास यात्री बस पलटी, कई यात्री घायल

करीब चार एंबुलेंस और डायल-112 मौके पर पहुंची



विदिशा। पलटी बस को सीधा कराया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

> कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है।
>
> हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रविवार अलसुबह करीब 4 बजे मिर्जापुर के पास एक यात्री बस अनियंत्रित होकर पलट गई।

हादसे में बस में सवार कई यात्री घायल हो गए। दुर्घटनाग्रस्त बस क्रमांक एमएच 11 सीएच 9788 दमोह से सागर होते हुए इंदौर की ओर जा रही थी। बताया जा रहा है कि मिर्जापुर के नजदीक अज्ञात कारणों से बस अनियंत्रित हुई और सड़क पर पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही विदिशा, त्योंदा और आसपास के क्षेत्रों से करीब चार एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। अलग-अलग थानों की डायल-112 टीमों ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को एंबुलेंस की मदद से विदिशा जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें भर्ती कर उपचार दिया जा रहा है। कुछ यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है। फिलहाल घायलों की संख्या और उनके नाम स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

रास्ता विवाद और अतिक्रमण की शिकायतों पर अब तहसीलदार-नायब तहसीलदार करेंगे मौका निरीक्षण

मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल करने के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किया जाएगा जवाब

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने जिले के सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया है कि रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण पूरी गंभीरता से किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि ऐसी शिकायतों में संबंधित तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थल का निरीक्षण करेंगे और वस्तुस्थिति की जांच करने के बाद ही सीएम हेल्पलाइन में जवाब दर्ज किया जाएगा। कलेक्टर ने कहा कि रास्ता विवाद और अतिक्रमण से जुड़े मामलों में केवल कार्यालय में बैठकर अथवा पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर शिकायत का निराकरण दर्शाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। तहसीलदार अथवा नायब तहसीलदार द्वारा स्वयं मौके पर जाकर की गई जांच एवं निरीक्षण के आधार पर ही सीएम हेल्पलाइन में उत्तर दर्ज किया जाए। आवश्यकतानुसार संबंधित राजस्व अभिलेखों, नक्शे एवं मौके की स्थिति का मिलान कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि रास्ते और अतिक्रमण से जुड़े विवादों का स्थायी एवं प्रभावी निराकरण हो सके।

पटवारी की रिपोर्ट पर सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए उत्तर अमान्य कर दिए जाएंगे

कलेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया कि मात्र पटवारी की रिपोर्ट के आधार पर सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए गए उत्तर अमान्य कर दिए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निराकरण में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए तथा मौके की जांच के बाद तथ्यात्मक एवं स्पष्ट जवाब पोर्टल पर दर्ज किया जाए। रास्ता विवाद एवं अतिक्रमण जैसे मामलों में मौके की वास्तविक स्थिति जाने बिना शिकायत का निराकरण दर्ज करने से आमजन की समस्या का समाधान नहीं होता। इसलिए संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर परीक्षण करें और नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शिकायतों का संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करें।

लटेरी में धूमधाम से मनाया भुजरिया पर्व, नए घाट पर हुआ विसर्जन

लटेरी। नगर में भुजरियों का पावन पर्व हर्षोल्लास और पारंपरिक लोकगीतों के साथ मनाया गया। माता-बहनों ने उत्साहपूर्वक नव निर्मित भुजरिया घाट पर भुजरियों का विसर्जन किया। इस दौरान उन्होंने नगर में हुए विकास कार्यों की सराहना की। महिलाओं ने कहा कि पहले विसर्जन के दौरान तालाब में गंदगी, कीचड़ और खराब रास्तों के कारण परेशानी होती थी, लेकिन अब सुंदर और स्वच्छ भुजरिया घाट बनने से सुविधा हुई है। उन्होंने पूर्व मंत्री स्व. लक्ष्मीकांत शर्मा के विकास कार्यों को याद करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा और नगर परिषद अध्यक्ष शैलेष संजय भंडारी के नेतृत्व की प्रशंसा की।

निकली भुजरियों की शोभायात्रा, लोक परंपरा में रंगा शमशाबाद

शमशाबाद। भुजरिया पर्व पर रविवार शाम शमशाबाद में लोक संस्कृति और परंपरा का मनमोहक नजारा देखने को मिला। विभिन्न मोहल्लों से महिलाएं सिर पर भुजरियां रखकर बस स्टैंड पहुंचीं। यहां ढोल-ढमाकों की गूंज के बीच महिलाओं ने नाचते-गाते भुजरियों की शोभायात्रा निकाली। पारंपरिक गीतों और ढोल की थाप से नगर का माहौल उत्सवमय हो गया। इसके बाद नदी पर नगर परिषद ने भुजरिया विसर्जन के लिए विशेष व्यवस्था की। तहसील, पुलिस और नगर परिषद ने साफ-सफाई व सुरक्षा के इंतजाम किए।

कुरवाई की 25 पंचायतों में अधिकारियों ने लिया जायजा

अभियानः बरखेड़ा लायरा में आयुष्मान कार्ड व बच्चों के आधार बने, पाडोछा में अतिक्रमण हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत प्रशासन द्वारा कुरवाई तहसील की 25 ग्राम पंचायतों में शनिवार को अधिकारियों ने निरीक्षण किया।

शासकीय कार्यालयों, स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों, स्वास्थ्य केंद्रों, उचित मूल्य दुकानों सहित विभिन्न संस्थानों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान ग्रामीणों से संवाद कर समस्याएं सुनी गईं और पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मौके पर ही दिलाया गया। कांकर क्लस्टर की करैया, शेखपुर, दादूरार, नाउकुंड, टैंकू, तमोइया, कांकर, झगरिया, भौंरासा, जरगुंवा, राजपुर, पनावर एवं केथौरा तथा लायरा क्लस्टर की बासौदा, लचायरा, बरखेड़ा लायरा, मालिया खेड़ा, पाड़ोछा, लायरा, बरेठ, बरूअल, तलापार, सीहोरा, सिरावली एवं नगवासा पंचायतों में निरीक्षण किया गया।

बरखेड़ा लायरा में बने आयुष्मान कार्ड और आधार

जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीता कांस्वा ने स्कूल, आंगनबाड़ी, उचित मूल्य दुकान और पंचायत कार्यालय का निरीक्षण किया। तीन पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड और सात बच्चों के नवीन आधार कार्ड बनाए गए। गौशाला का निरीक्षण कर स्वच्छता के निर्देश दिए। जिला संयोजक अंकित पटेल ने शासकीय स्कूल के पास अतिरिक्त कक्ष पर किए गए अतिक्रमण को हटवाया। साथ ही 20 किसानों की फार्मर आईडी जनरेट की गईं और छह ग्रामीणों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। उदय प्रताप सिंह के निरीक्षण के दौरान आठ किसानों की फार्मर आईडी, 12 आयुष्मान कार्ड और चार हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी कराई गई। ग्रामीणों की नाली निर्माण संबंधी समस्या पर मौके से ही अधिकारियों को निर्देश दिए गए और कार्य शुरू कराया गया।

कुरवाई में गोगाजी की छड़ी यात्रा निकाली

वाल्मीकि समाज ने निभाई परंपरा, बेतवा तट स्थित गोगा देव मंदिर पर समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭कुरवाई

वाल्मीकि समाज द्वारा प्रतिवर्ष निभाई जाने वाली परंपरा के तहत शनिवार को पूज्य आराध्य देव श्री गुरु गोरखनाथ एवं जहारवीर गोगाजी की छड़ी निशान शोभायात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। शोभायात्रा में सिरोंज और बीना से भी छड़ी निशान आमंत्रित किए गए थे। शोभायात्रा की शुरुआत श्री माता बाग मंदिर से हुई।

यहां से छड़ी निशान नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चुंगी नाका स्थित बेतवा तट पर श्री गुरु गोरखनाथ एवं श्री जाहरवीर गोगा देव मंदिर पहुंचे, जहां शोभायात्रा का विधिवत समापन किया गया। नगर में जगह-जगह क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह सप्रे, शासकीय महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सीताराम सैनी, प्रशासनिक अधिकारियों, राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नगर परिषद पार्षदों एवं गणमान्य नागरिकों ने छड़ी निशान का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने पूजन-अर्चन कर प्रसादी ग्रहण की। शोभायात्रा में श्री गुरु गोरखनाथ जी एवं श्री जाहरवीर सेवा समिति अध्यक्ष संदीप वाल्मीकि, गुरुजी रामसेवक वाल्मीकि, भगत जितेंद्र वाल्मीकि सहित दिलीप, अरविंद, अज्जू, अमन, ब्रिज, गोलू, अनु, रजत, फूलचंद, विशाल, विकास वाल्मीकि समेत सैकड़ों समाजजन, भक्तगण और माताएं-बहनें शामिल हुईं।



40 मटकियों की विशेष पूजा के बाद किया विसर्जन

चालीहा महोत्सव के 14वें वर्ष में झूम उठा सिंधी समाज

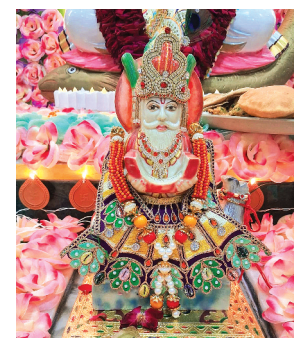
- भक्ति गीतों पर महिलाओं ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां।

हरिभूमि न्यूज ⏭विदिशा

सिंधी समाज द्वारा चालीहा महोत्सव का 14वां वर्ष रविवार को श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश, शहर और समाज की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना को लेकर बहिराणा साहब की ज्योत प्रज्ज्वलित की गई।

चालीहा महोत्सव के तहत 40 मटकियों की विशेष पूजा-अर्चना कर विधि-विधान से उनका विसर्जन किया गया। पूरा कार्यक्रम सिंधी समाज के पुरोहित पंडित राकेश शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पंडित राकेश शर्मा ने बताया कि श्रावण मास में 40 दिनों तक भगवान वरुण देव श्री झूलेलाल को समर्पित चालीहा महोत्सव विदिशा ही नहीं, बल्कि विश्वभर में सिंधी समाज द्वारा श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।

पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष सुरेश मोतियानी ने बताया कि रविवार दोपहर 12 बजे भगवान श्री झूलेलाल की महाआरती के बाद व्रत के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने सिर पर मटकी रखकर पूजा-अर्चना की और इसके बाद मटकियों का विसर्जन किया गया। सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हरीश वाधवानी ने बताया कि चालीहा महोत्सव को सिंध के शासक मिर्कशाह के अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए जल देवता वरुण देव (झूलेलाल) की 40 दिनों की प्रार्थना की स्मृति में मनाया जाता है। श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार 40 दिन का उपवास रखते हैं। महामंत्री त्रिलोक वाधवानी ने बताया कि व्रत के दौरान जमीन पर सोना, सादा भोजन करना, बाल और दाढ़ी नहीं बनवाना सहित कई कठिन नियमों का पालन किया जाता है। उपाध्यक्ष ने बताया कि 40 दिन पूरे होने के बाद मटकी मेला पलाव यानी प्रार्थना दिवस का आयोजन किया जाता है। इसके बाद मटकियों को नदी या सरोवर में विसर्जित किया जाता है। संयुक्त मंत्री दिलीप कमरानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल ने समाज को स्वतंत्रता और सद्भाव के साथ रहने तथा ऊंच-नीच और अमीरी-गरीबी के भेदभाव से दूर रहने का संदेश दिया है। महोत्सव के दौरान बच्चों और महिलाओं ने 'बाल मुंहजी पत रख जै भला झूलेलाल', 'सिंधड़ी जा', 'सेवन जा' और 'दमा दम मस्त कलंदर' सहित कई भक्ति गीत प्रस्तुत किए। गीतों पर नृत्य कर श्रद्धालुओं ने उत्सव में भक्ति और उल्लास के रंग भर दिए।



खबर संक्षेप

अव्यवस्थित दो पहिया वाहन बने मुसीबत



गंजबासौदा। स्थानीय रेलवे स्टेशन परिसर में अव्यवस्थित तरीके से खड़े दोपहिया वाहन यात्रियों और आमजन के लिए परेशानी का कारण बनते जा रहे हैं। स्टेशन परिसर में निर्धारित पार्किंग व्यवस्था के बावजूद कई वाहन चालक अपने दोपहिया वाहन इधर-उधर खड़े कर देते हैं, जिससे परिसर में आवागमन बाधित हो रहा है। विशेष रूप से ट्रेनों के आगमन और प्रस्थान के समय स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है। यात्रियों की भीड़ के बीच अव्यवस्थित खड़े वाहनों के कारण लोगों को निकलने के लिए रास्ता तलाशना पड़ता है। बुजुर्ग, महिलाएं, बच्चे एवं सामान लेकर स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि स्टेशन परिसर में वाहनों की व्यवस्थित पार्किंग सुनिश्चित करने के साथ ही मुख्य आवागमन मार्गों को अतिक्रमण और अव्यवस्थित वाहनों से मुक्त रखा जाना चाहिए। लोगों ने रेलवे प्रशासन से इस ओर ध्यान देकर उचित व्यवस्था बनाने की मांग की है, ताकि यात्रियों को स्टेशन परिसर में सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। जागरुक नागरिकों एवं रेल अपडाउनरों ने बताया कि दो पहिया वाहन चालक सुबह से लेकर देर रात्रि तक अपने परिजनों, इष्टमित्रों को रेल्वे स्टेशन पर छोड़ने आते हैं। वह अपने दो पहिया वाहनों को रेल्वे स्टेशन के मुख्य द्वार के दोनों ओर एवं परिसर में चारों ओर जहां जगह मिलती है वहां पर अपने वाहन खड़े कर चले जाते हैं। जब ट्रेन चली जाती है तब कहीं जाकर अपने वाहन परिसर से हटाते हैं।

दो दिन से नहीं हुई बारिश

गंजबासौदा। नगर सहित इलाके भर में शनिवार और रविवार को बारिश नहीं हुई और मौसम साफ बना रहा। वहीं रविवार को धूप भी निकलती रही, जिससे लोगों को काफी राहत मिली। हांलाकि बारिश की संभावना आगमी दिनों में बनी है।

भुजरिया मिलन में यादव समाज ने लिया नशामुक्ति का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

रविवार को स्थानीय यादव समाज धर्मशाला में आयोजित हुए समाज के भुजरिया मिलन समारोह में समाज बंधुओं ने नशा मुक्त बासौदा के संकल्प को मजबूती देते हुए 1 सितंबर की जनजागरण रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति को रोकने के लिए परिवार, समाज और युवाओं को मिलकर निर्णायक पहल करनी होगी। यादव समाज धर्मशाला में समाज का भुजरिया मिलन समारोह उत्साह और आपसी सौहार्द के साथ संपन्न हुआ। समाज बंधुओं ने एक-दूसरे को भुजरिया भेंट कर शुभकामनाएं दीं और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। समारोह में एक सितंबर को प्रस्तावित नशे के खिलाफ जन जागरण रैली में समाज की सक्रिय सहभागिता को लेकर विशेष चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नहीं, बल्कि परिवार और समाज के भविष्य को भी प्रभावित करता है। उपस्थित समाजबंधुओं ने नशे के खिलाफ जनजागरण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा स्वयं नशे से दूर रहने और दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। बैठक में भगवान श्रीकृष्ण



जन्मोत्सव को भव्य स्वरूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकालने की तैयारियों पर चर्चा की गई। समाज बंधुओं ने आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सामूहिक सहभागिता का आह्वान किया। समारोह के अंत में समाज के लिए जनसहयोग और उल्लेखनीय कार्य करने वाले सुनील यादव प्रभारी नपा जल शाखा, सुल्तान यादव, दीवान यादव, राहुल यादव का फूल-मालाओं से सम्मान किया गया। समाजजनों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए सामाजिक कार्यों में इसी तरह सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा व्यक्त की। भुजरिया मिलन के बहाने यादव समाज ने जहां आपसी भाईचारे को मजबूत किया, वहीं नशामुक्त समाज के निर्माण और सामाजिक एकजुटता का स्पष्ट संदेश भी दिया।

दूध के दाम बढाने पर की गई चर्चा



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

रविवार को यादव धर्मशाला में गोपालक दूध विक्रेताओं की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बढ़ती महंगाई को देखते हुए दूध के रेट बढ़ाने पर चर्चा की गई। विक्रेताओं ने बताया कि चापड़, खली, भूसा सहित भैंस और गायों के दामों में भारी वृद्धि हो गई है, जबकि दूध का रेट अभी भी पुराना ही चल रहा है। ऐसे में पशुपालन करना बेहद मुश्किल हो गया है। इसलिए दूध के दाम बढ़ाना जरूरी है। बैठक में सर्वसहमति से नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जिसमें अध्यक्ष संजू यादव, उपाध्यक्ष राजू रघुवंशी, मुंशी लाल यादव, कोषाध्यक्ष कमल सिंह गुर्जर, सचिव विजय यादव, सह सचिव बहादुर सिंह रघुवंशी, मीडिया प्रभारी शकील भाई, रंजीत मीणा को बनाया गया। नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी गई। आगामी बैठक 1 सितंबर को सुबह 10 बजे यादव धर्मशाला में ही आयोजित की जाएगी, जिसमें दूध के नए रेट पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

नगर को नशा मुक्त बनाने युवा और सामाजिक संगठन आए आगे

चारों दिशाओं में किया जनसंपर्क रैली के लिए लोगों से की अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

नगर को नशे के बढ़ते प्रभाव से मुक्त कराने और युवाओं को ड्रग्स की गिरफ्त से बचाने के उद्देश्य से आगामी 1 सितंबर को प्रस्तावित नशामुक्ति जन जागरण रैली को लेकर तैयारियां अब धरातल पर दिखाई देने लगी हैं। रैली को व्यापक जनसमर्थन दिलाने के लिए रविवार को नगर की चारों दिशाओं में एक साथ जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अलग-अलग संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और स्वयं सेवकों की टीमें शहर के प्रमुख मार्गों पर निकलीं और दुकानदारों, व्यापारियों, रहवासियों तथा आम नागरिकों तक पहुंचकर उन्हें रैली में शामिल होने का निमंत्रण दिया। जनसंपर्क के दौरान लोगों को पंपलेट देकर 1 सितंबर को नशे के खिलाफ निकलने वाली जन जागरण रैली में शामिल होने की अपील की गई। अलग-अलग मार्गों पर निकली टीमों ने नागरिकों से संवाद करते हुए उन्हें नशे के दुष्परिणामों की जानकारी दी और अभियान से जुड़ने का आग्रह किया। जनसंपर्क के दौरान लोगों से अपील की गई





कि वे स्वयं रैली में शामिल होने के साथ अपने परिवार और आसपास के युवाओं को भी नशामुक्ति के इस अभियान से जोड़ें। चार टीमें अपने-अपने मार्गों पर निकलीं और अंततः जय स्तंभ चौक पहुंचीं। सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा पहला जनसंपर्क रेलवे स्टेशन से जय स्तंभ चौक तक किया गया। दूसरी टीम ने सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, कालाबाग एवं धर्मकांटा क्षेत्र से जय स्तंभ चौक तक जनसंपर्क किया। तीसरी टीम तिरंगा चौक से राजेंद्र नगर, गांधी चौक और सदर बाजार होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंची। चौथा जनसंपर्क बैतोली फाटक से शुरू होकर त्योंदा रोड होते हुए जय स्तंभ चौक तक किया गया। इस मार्ग पर भी लोगों को नशे के खिलाफ अभियान से जोड़ने के लिए पंपलेट दिए गए और नशामुक्ति रैली में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया।

रैली को समर्थन देने के लिए नगर के विभिन्न सामाजिक संगठनों और अन्य व्यापारी, धार्मिक संगठनों ने भी अलग-अलग बैठकें आयोजित कीं। सेन समाज, सकल जैन समाज, महाराणा प्रताप राजपूत समिति, रविवार प्रोटोकॉल, व्यापार महासंघ, लोधी समाज, रघुकुल युवा परिषद, साहू समाज सहित अन्य सामाजिक संगठनों ने बैठकों के माध्यम से अपने समाज और संगठन के सदस्यों से 1 सितंबर की रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया। संगठनों ने अपने-अपने स्तर पर नागरिकों से संपर्क कर रैली को सफल बनाने तथा नशे के खिलाफ सकारात्मक सामाजिक वातावरण तैयार करने का संकल्प लिया। 31 अगस्त को हिंदू उत्सव समिति द्वारा नगर में सार्वजनिक उद्घोषणा कराई जाएगी। इसके माध्यम से नागरिकों से 1 सितंबर को आयोजित होने वाली जन जागरण रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की जाएगी। जनसंपर्क अभियान में स्वयं सेवकों ने नागरिकों से कहा कि नशे के खिलाफ केवल कानून नहीं, समाज की जागरूकता भी जरूरी है। रैली में समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी हो और नशे के खिलाफ नगर की सामूहिक आवाज मजबूती से सामने आए। यदि परिवार, समाज, व्यापारी, युवा, सामाजिक संगठन और नागरिक एकजुट होकर इसके खिलाफ आवाज उठाएं तो नशे की प्रवृत्ति पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

बालरंग प्रतियोगिता का हुआ आयोजन



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

विकासखंड स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए प्राचार्य प्रदीप कुमार चौरसिया ने कहा शाला में आयोजित होने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। उनका व्यक्तित्व निखरता है। इस अवसर पर प्रसिद्ध योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि बालरंग जैसे कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। ऐसे मंचों से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को अपनी छुपी हुई प्रतिभा को दिखाने का अवसर मिलता है। कवि नीलेश चतुर्वेदी ने सभी प्रतिभागी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अभिलाषा चतुर्वेदी, स्वप्ना डे, सूर्यप्रकाश श्रीवास्तव, वीरेंद्र प्रताप सिंह, बृजेश शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बालरंग के अंतर्गत साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं कला वर्ग में कुल 15 से अधिक विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें प्रमुख रूप से एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य, लोक नृत्य, समूह नृत्य, निबंध लेखन, कहानी लेखन, कविता लेखन, वाद-विवाद, योग आसान प्राणायाम शामिल रहीं। इस प्रतियोगिता में शासकीय अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक एवं हाईस्कूल हायर सेकेडरी शालाओं के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। बच्चों ने बुंदेली लोकगीत, देशभक्ति गीतों पर मनमोहक नृत्य एवं आकर्षक चित्रकला से सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल में स्थानीय कला एवं संगीत के विशेषज्ञों को शामिल किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों का चयन अब जिला स्तरीय बालरंग प्रतियोगिता के लिए किया गया है, जो आगामी दिनों में जिला मुख्यालय विदिशा में आयोजित होगी। इस अवसर पर विकासखंड शिक्षा अधिकारी परता अहिरवार, बीआरसी बृजेंद्र सिंह रघुवंशी, समस्त जन शिक्षक, संकुल प्राचार्य, विभिन्न शालाओं के प्रधानाध्यापक एवं बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम संचालन दिनेश ओझा द्वारा किया गया। समीक्षा जैन द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर शिल्पाजना शर्मा, नीतू शर्मा, भावना अग्रवाल, प्रीति चतुर्वेदी, भारती पंथी ,आलोक नायक, योगेश चौरसिया, केके मिश्रा, नीलेश अहिरवार मौजूद थे।

शिक्षकों को दिल्ली जाने से रोके जाने के विरोध में किया धरना प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

शासकीय सेवारत शिक्षकों के लिए टेट (शिक्षक पात्रता परीक्षा) अनिवार्य किए जाने के विरोध में शिक्षक साथियो को पुलिस द्वारा दिल्ली जाने से रोकने, नजर बंद करने के विरोध और दिल्ली मे शिक्षको द्वारा शांति पूर्ण किए जा रहे धरने के पक्ष में रविवार को गंज बासौदा जनपद पंचायत परिसर में शिक्षक संघर्ष सयुक्त मोर्चा के जिलाध्यक्ष प्रथ्वी सिंह रघुवंशी और अन्य संघर्षशील शिक्षक साथियो ने दोपहर 3 बजे शांति पूर्ण अनुशासित रूप से धरना-प्रदर्शन किया। शिक्षकों का कहना है कि वे वर्षों से विभाग में सेवा दे रहे हैं, ऐसे में अब उन पर पुनः टेट परीक्षा थोपना अन्यायपूर्ण है। शिक्षकों की मुख्य मांग है कि शिक्षकों को टेट से छूट दी जाए। धरने में शामिल शिक्षकों ने बताया कि इस आदेश से हजारों शिक्षकों में असंतोष है। यदि शासन ने निर्णय वापस नहीं लिया तो जिला एवं प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। धरना-प्रदर्शन में ब्लॉक शिक्षक-शिक्षिकाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। शिक्षको का कहना है कि सरकार को शिक्षकों के हित में जल्द निर्णय लेना चाहिए, ताकि शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के बाद सभी ने सरकार की सद्बुद्धि हेतु दो मिनट का मौन धारण किया एवं काली पट्टी बांधकर अपना विरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने किया। धरना-प्रदर्शन मे विनोद श्रीवास्तव, दिनेश सिंह राजपूत, जितेन्द्र नामदेव, महेन्द्र सिंह रघुवंशी, संजय नामदेव, हेमंत विश्वकर्मा, अजय शर्मा, मोहन सिंह अहिरवार, रमन धुर्वे, रामराज दांगी, सुनील रघुवंशी, अरूण पांडे, काशीराम मालवीय, अफजल हुसैन रिजवी, अनिल श्रीवास, औमप्रकाश रघुवंशी, अविनाश कटारिया, कृपाराम सेन, राजेश सिंह रघुवंशी, मंगल सिंह, राघवेन्द्र शर्मा, मदनलाल जाटव, दिलीप कुमार कुशवाह, गणेशराम कोरी, माधवी भाटिया, निशा जैन, भारती दुबे, पूनम भाटिया आदि शामिल हुए।

रक्षाबंधन जीवन भर आचरण में लाने का त्यौहार है

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा



प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय स्थित सेवा केंद्र द्वारा विधायक हरिसिंह रघुवंशी, नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव, एसडीएम अनुभा जैन, एसडीओपी शिखा भलावी आदि को राखी बांधकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपने भाव स्पष्ट करते हुए कहा कि आज के समय में हम सभी असुरक्षित महसूस करते हैं, इसलिए हम सभी को रक्षा की जरूरत है, परमात्मा ही हम सबके सच्चे रक्षक हैं। रक्षाबंधन के प्रति जो भाव और भावनाएं होनी चाहिए वह समाप्त हो चुकी हैं। आज हम रक्षाबंधन को मनाते हैं लेकिन रक्षाबंधन का क्या भाव है और उसकी क्या भावनाएं होनी चाहिए उस भाव और भावनाओं से रक्षाबंधन नहीं मनाया जाता है। ब्रह्माकुमारी रुकमणी दीदी ने पारंपरिक तिलक संस्कार संपन्न कराया, जिससे इस अवसर को एक आध्यात्मिक महत्व प्राप्त हुआ। लोगों की सेवा में उनकी निरंतर शक्ति और सफलता की कामना की। बहनों ने रक्षा बंधन के गहन आध्यात्मिक महत्व को भी साझा किया और पवित्रता, आत्म-अनुशासन, आंतरिक शक्ति और सौहार्दपूर्ण संबंधों के मूल्यों पर जोर दिया।

प्रेस क्लब का भुजरिया मिलन समारोह आयोजित शोकाकुल परिवारों के घर भी जाएंगे पत्रकार



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

रविवार को प्रेस क्लब गंजबासौदा द्वारा स्व अनिल यादव स्मृति पत्रकार भवन में पहली बार भुजरिया मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस दौरान सभी पत्रकारों द्वारा सर्वप्रथम मां सरस्वती, देव मुनि नारद के चित्र और स्व अनिल यादव की प्रतिमा पर भुजरिया अर्पित की गईं और उन्हें स्मरण किया गया। इसके बाद सभी पत्रकारों ने आपस में भुजरियों का आदान प्रदान कर एक दूसरे से मेहरबानी बनाए रखने की कामना की। समारोह में कनिष्ठ पत्रकारों ने वरिष्ठ पत्रकारों से भुजरिया लेकर उनका आशीर्वाद भी प्राप्त किया। वहीं वरिष्ठ पत्रकारों ने भी अपने कनिष्ठों को शुभाशीष दिए। कार्यक्रम में बडी संख्या में पत्रकारगण मौजूद रहे। इस भुजरिया मिलन समारोह के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर के कुछ पत्रकार परिवारों के सदस्य आज हमारे बीच नहीं हैं। ऐसे में उन परिवारों के दुःख में सहभागी बनने और अपनी संवेदनाएं व्यक्त करने के लिए प्रेस क्लब सदस्य एवं पत्रकारगण शोक संतप्त परिवारों के बीच पहुंचेंगे। बैठक में तय किया गया कि इसके लिए सोमवार को सुबह 11 बजे सभी पत्रकारगण सुभाष चौक पर एकत्रित होंगे, जहां से सामूहिक रूप से सभी शोकाकुल परिवारों के यहां पहुंचकर परिजनों को भुजरियां भेंट करेंगे और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करेंगे।

यहां उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ समय में नगर के पत्रकार साथी राजेश जैन, गगन दुबे, चंद्रमोहन सैनी, देवेन्द्र राजपूत, सदाशिव राव मराठा आदि के परिवारों में उनके परिजनों का निधन हुआ है। ऐसे में प्रेस क्लब गंजबासौदा सभी परिवारों के बीच पहुंचेगा।

दुबे परिवार ने ली ट्री गार्ड की जिम्मेदारी

बिटिया के जन्मदिवस पर रोपा कटहल का पौधा



हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा

जन्मदिन पर केक काटने और उपहार देने की परंपरा तो आम है, लेकिन यदि किसी के जन्मदिन पर धरती को एक नया जीवन उपहार में मिले, तो वह अवसर निश्चित रूप से यादगार बन जाता है। इसी सोच को साकार करते हुए रविवार को श्रमदान दल के साप्ताहिक पौधारोपण अभियान 5.0 के अंतर्गत गौरा शर्मा के जन्मदिवस पर बेतवा नदी स्थित रिपटा घाट के हनुमान जी मंदिर परिसर में कटहल का पौधा ट्री गार्ड सहित रोपित किया गया। सौम्या एवं गौरव शर्मा की सुपुत्री गौरा शर्मा, महेश कुमार दुबे की नातिन तथा संदीप कुमार, नवीन कुमार एवं प्रतीक्षा दुबे की भांजी हैं। जन्मदिन के इस अवसर को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए परिवार ने न केवल पौधा लगाने का निर्णय लिया, बल्कि उसके संरक्षण की जिम्मेदारी का भी संदेश दिया। पौधे की सुरक्षा के लिए लगाए गए ट्री गार्ड की सहयोग राशि दुबे परिवार द्वारा प्रदान की गई। दुबे परिवार के सदस्यों ने बताया कि बेतवा नदी के संरक्षण, स्वच्छता और पौधारोपण के लिए वे श्रमदान दल द्वारा लगातार किए जा रहे प्रयासों से वे प्रभावित हुए। इसी से प्रेरणा लेकर उन्होंने गौरा शर्मा के जन्मदिवस को पर्यावरण संरक्षण के संकल्प से जोड़ने का निर्णय लिया। परिवार का यह संकल्प रविवार को उस समय पूरा हुआ, जब श्रमदान दल के सदस्यों के सहयोग से पौधा रोपित किया गया। श्रमदान दल ने नागरिकों से अपील की कि केवल पौधा लगाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी न मानें, बल्कि उसके संरक्षण, सिंचाई और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित करें। क्योंकि पौधारोपण की वास्तविक सफलता पौधे के जीवित रहने और वृक्ष बनने में है। दुबे परिवार द्वारा ट्री गार्ड के लिए सहयोग राशि देना इसी सोच को मजबूत करता है कि "पौधा लगाना शुरुआत है, उसका संरक्षण असली संकल्प है। श्रमदान दल ने नागरिकों से विशेष अवसरों पर पौधारोपण करने की अपील की है।

बीजासन माता मंदिर में हुआ हनुमान चालीसा पाठ

हरिभूमि न्यूज ⏭ गंजबासौदा



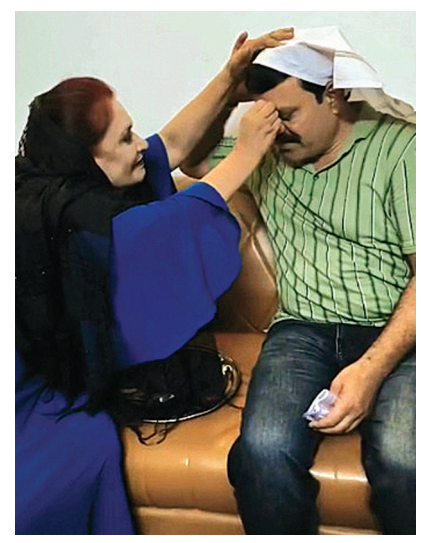
हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म एवं आध्यात्म से जोड़ने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत हनुमान चालीसा पाठ का 144वां चरण शनिवार को श्री बिजासन माता मंदिर, वार्ड क्रमांक 12, मिल रोड में अत्यंत धर्ममय एवं हर्षोल्लास पूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मां बिजासन एवं श्री हनुमान जी महाराज की पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित श्रद्धालुओं द्वारा संगीत के साथ सामूहिक रूप से सात बार श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। पाठ के उपरांत भजन, आरती एवं प्रसादी वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंत में भुजरिया पर्व के पावन अवसर पर सभी हिंदू वीरों द्वारा भुजरिया मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को भुजरिया पर्व की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने बताया कि हिंदू चेतना सेवा समिति द्वारा समाज को नशे की बुराई से मुक्त करने के लिए निरंतर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं तथा लोगों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों से प्रभावित होकर पिछले सप्ताह अखिल भारतीय रघुवंशी समाज द्वारा समिति का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल द्वारा अखिल भारतीय रघुवंशी समाज के प्रति आभार व्यक्त किया गया। हनुमान चालीसा पाठ में हिंदू वीर लखन गुर्जर, मोहित तिवारी, रोहित नाथ, विशाल सेन, अर्णव रघुवंशी, कियाना रघुवंशी, अमन विश्वकर्मा, हर्षित विश्वकर्मा, अर्पित विश्वकर्मा, निशिकांत माथुर, देवांश माथुर, हर्षित मिश्रा, मुकेश सिंह रघुवंशी, मुकेश अग्रवाल, नरेंद्र राय, मनीष सेन, ऋतिक विश्वकर्मा सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नयापुरा में राखी के धागे ने जोड़े दो परिवार, हर त्योहार मिल-जुलकर मनाने की परंपरा बनी सामाजिक सौहार्द की मिसाल

40 साल से कायम है भाईचारे की मिसाल, हिन्दू-मुस्लिम परिवारों के बीच आज भी जीवंत है रक्षाबंधन की परंपरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरोंज

देश की सांस्कृतिक पहचान रही गंगा-जमुनी तहजीब आज भी सिरोंज शहर में अपनी मजबूत जड़ें जमाए हुए है। यहां विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग वर्षों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होते आए हैं। इसी सामाजिक सद्भाव की एक अनूठी और प्रेरणादायक मिसाल शहर के वार्ड क्रमांक 11 नयापुरा में देखने को मिलती है, जहां हिन्दू-मुस्लिम परिवारों के बीच रक्षाबंधन का पर्व पिछले करीब 40 वर्षों से भाई-बहन के अटूट रिश्ते के रूप में मनाया जा रहा है। समय बदला, पीढ़ियां बदलीं, लेकिन दोनों परिवारों के बीच प्रेम और विश्वास का यह रिश्ता आज भी उसी मजबूती के साथ कायम है। नयापुरा निवासी स्वर्गीय बाबूलाल यादव पटेल एवं स्वर्गीय अहमद शहीद पटवारी के परिवारों के बीच चार दशक पहले शुरू हुई रक्षाबंधन की यह परंपरा आज भी पूरी आत्मीयता के साथ निभाई जा रही है। रक्षाबंधन के अवसर पर स्वर्गीय बाबूलाल यादव पटेल के पुत्र एवं पूर्व पार्षद अशोक यादव हर वर्ष अहमद शहीद पटवारी की पुत्रियों शाफिया और सुरईया से राखी बंधवाते हैं। यह केवल राखी बांधने की रस्म नहीं, बल्कि दो अलग-अलग धर्मों के परिवारों के बीच वर्षों से कायम विश्वास, स्नेह और भाईचारे का प्रतीक बन चुकी है। इस रिश्ते की कहानी भी बेहद पुरानी और भावनात्मक है। अशोक यादव बताते हैं कि उनके बड़े भाई कैलाश यादव, जो वर्तमान में विदिशा में निवास करते हैं, जब सिरोंज में रहते थे, तब वे भी अहमद शहीद पटवारी की पुत्री बेबी से हर वर्ष रक्षाबंधन के पर्व पर राखी बंधवाया करते थे। उस समय शुरू हुआ भाई-बहन का यह रिश्ता धीरे-धीरे दोनों परिवारों के बीच पारिवारिक संबंधों में बदल गया और आज कई दशकों बाद भी यह परंपरा पूरी श्रद्धा और प्रेम के साथ आगे बढ़ रही है।



राखी के धागे से मजबूत हुआ रिश्तों का बंधन

रक्षाबंधन का पर्व वैसे तो भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार है, लेकिन नयापुरा में यह पर्व सामाजिक एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का संदेश भी देता है। जब शाफिया और सुरईया अपने भाई अशोक यादव की कलाई पर राखी बांधती हैं तो यह दृश्य यह संदेश देता है कि प्रेम और भाईचारे के रिश्ते धर्म और जाति की सीमाओं से कहीं ऊपर होते हैं। राखी का यह धागा केवल कलाई पर नहीं बंधता, बल्कि दिलों को जोड़ने का काम करता है। अशोक यादव बताते हैं कि दोनों परिवारों के बीच यह परंपरा करीब 40 वर्षों से लगातार चली आ रही है। परिवार के बड़े-बुजुर्गों से मिली इस परंपरा को आज की पीढ़ी भी उसी उत्साह और आत्मीयता के साथ निभा रही है। उनका कहना है कि यह रिश्ता केवल रक्षाबंधन तक सीमित नहीं है, बल्कि दोनों परिवार वर्षभर एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहते हैं।

दीपावली से लेकर ईद तक साथ मनाते हैं त्योहार

दोनों परिवारों के बीच आपसी प्रेम और सौहार्द केवल रक्षाबंधन के दिन ही देखने को नहीं मिलता। दीपावली हो, होली हो, ईद हो या रक्षाबंधन, दोनों परिवार एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर खुशियां बांटते हैं। त्योहारों के अवसर पर एक-दूसरे के घर जाना, शुभकामनाएं देना, मिठाई बांटना और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना इस रिश्ते का हिस्सा बन चुका है। अशोक यादव का कहना है कि उनके परिवार के लिए अहमद शहीद पटवारी का परिवार किसी दूसरे धर्म का परिवार नहीं, बल्कि अपने परिवार जैसा ही है। इसी तरह दोनों परिवारों की कई पीढ़ियां एक-दूसरे को पारिवारिक रिश्तों की तरह ही मानती आई हैं। यही कारण है कि इतने लंबे समय के बाद भी इस परंपरा में किसी तरह की कमी नहीं आई है।

आज के दौर में समाज को देता है एकता का संदेश

आज जब समाज में छोटी-छोटी बातों को लेकर दूरियां बढ़ती दिखाई देती हैं, ऐसे समय में सिरोंज के नयापुरा की यह परंपरा समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश देती है। चार दशक से चली आ रही यह परंपरा बताती है कि आपसी विश्वास, सम्मान और प्रेम के रिश्ते किसी धर्म या मजहब की सीमा में बंधे नहीं होते। इंसानियत और भाईचारा ही सबसे बड़ा रिश्ता है। सिरोंज शहर में हिन्दू-मुस्लिम समुदाय के लोग लंबे समय से विभिन्न त्योहारों को मिल-जुलकर मनाते आए हैं। यहां एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होना और खुशियां साझा करना शहर की सामाजिक संस्कृति का हिस्सा रहा है। नयापुरा के यादव और अहमद परिवारों की यह परंपरा उसी गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत तस्वीर प्रस्तुत करती है।

कोटा से विदिशा फोरलेन को लटेरी, सिरोंज, गंजबासौदा से जोड़ने की मांग

वर्षों से रेलवे कनेक्टिविटी के नाम पर मिलती रही घोषणाएं, अब जमीन पर परिणाम देने का समय

सिर्फ सड़क नहीं, सात लाख लोगों के भविष्य का सवाल है : सुरेंद्र रघुवंशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरोंज

कोटा से विदिशा के लिए प्रस्तावित फोरलेन सड़क परियोजना को लेकर सिरोंज-लटेरी क्षेत्र में नई उम्मीदें जगी हैं। इसी बीच कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने सरकार से इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना के प्रस्तावित मार्ग पर जनहित के दृष्टिकोण से पुनर्विचार करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यदि कोटा से विदिशा फोरलेन को मकसूदनगढ,बैरसिया के बजाय मकसूदनगढ़,लटेरी,सिरोंज,गंजबासौदा चौराहा होते हुए विदिशा से जोड़ा जाता है, तो इससे लगभग सात लाख की आबादी सीधे तौर पर विकास की इस बड़ी परियोजना से जुड़ सकती है। रघुवंशी ने कहा कि यह केवल सड़क के मार्ग में बदलाव की मांग नहीं है, बल्कि यह सिरोंज-लटेरी क्षेत्र के किसानों, व्यापारियों, विद्यार्थियों, युवाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ सवाल है। जिस क्षेत्र की बड़ी आबादी वर्षों से सड़क, रेल, रोजगार और औद्योगिक विकास जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है, उसे यदि इतनी बड़ी परियोजना से जोड़ने का अवसर मिलता है तो सरकार को जनहित में इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

वर्षों से विकास की मुख्यधारा से दूर है सिरोंज-लटेरी

किसान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सुरेन्द्र रघुवंषी ने कहा कि सिरोंज और लटेरी क्षेत्र लंबे समय से विकास की मुख्यधारा से अपेक्षित रूप से नहीं जुड़ पाया है। क्षेत्र में सड़क और रेल कनेक्टिविटी की कमी का सीधा असर व्यापार, शिक्षा, रोजगार और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। किसानों को अपनी उपज बड़े बाजारों तक पहुंचाने में परेशानी होती है,



व्यापारियों को बड़े शहरों से सीधा जुड़ाव नहीं मिल पाता और युवाओं तथा विद्यार्थियों को शिक्षा एवं रोजगार के लिए दूसरे शहरों का रुख करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार देशभर में बेहतर कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे के विस्तार की बात करती है, वहीं दूसरी ओर सिरोंज-लटेरी जैसे बड़े क्षेत्र को आज भी बेहतर रेल और सड़क संपर्क का इंतजार है। ऐसे में कोटा से विदिशा फोरलेन परियोजना इस क्षेत्र के लिए विकास का महत्वपूर्ण रास्ता खोल सकती है।

रेलवे के नाम पर तीन सांसदों के कार्यकाल में हुई घोषणाएं

कांग्रेस नेता सुरेंद्र रघुवंशी ने रेलवे कनेक्टिविटी के मुद्दे को भी सरकार के सामने रखते हुए कहा कि सिरोंज-लटेरी को रेलवे लाइन से जोड़ने की मांग कोई नई नहीं है। सागर संसदीय क्षेत्र से चुने गए तीन सांसदों के कार्यकाल में अलग-अलग समय पर क्षेत्र को रेलवे से जोड़ने की घोषणाएं और आश्वासन दिए गए। जनता ने इन घोषणाओं पर भरोसा किया और उम्मीद की कि कभी न कभी सिरोंज-लटेरी तक रेल की सीटी सुनाई देगी। उन्होंने कहा कि समय बीतता गया, सांसदों के कार्यकाल पूरे होते गए, लेकिन क्षेत्र की रेलवे कनेक्टिविटी का सपना अभी भी अधूरा है। अब चैथी सांसद का कार्यकाल भी चल रहा है, लेकिन जनता यह जानना चाहती है कि सिरोंज-लटेरी को रेलवे से जोड़ने की दिशा में अब तक जमीन पर निर्णायक प्रगति कहां तक पहुंची है। रघुवंशी ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर हर बार चुनाव के समय रेलवे कनेक्टिविटी का मुद्दा क्यों सामने आता है।

घोषणा नहीं, जमीन पर परिणाम चाहिए

वही उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता अब केवल घोषणाएं सुनना नहीं चाहती। जनता यह देखना चाहती है कि जिन विकास कार्यों की बातें वर्षों से की जा रही हैं, वे धरातल पर कब दिखाई देंगे। उन्होंने कहा कि रेलवे लाइन का सपना आज भी अधूरा है, इसलिए कम से कम सड़क की इस बड़ी परियोजना में क्षेत्र को विकास से जोड़ने का गंभीर प्रयास किया जाना चाहिए। यदि कोटा,विदिशा फोरलेन का मार्ग लटेरी और सिरोंज से होकर गुजरता है, तो यह केवल यातायात की सुविधा नहीं बढ़ाएगा, बल्कि पूरे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को नई गति दे सकता है।

सड़क परियोजना में भी उपेक्षा क्यों

सिरोंज-लटेरी की जनता ने रेलवे के लिए वर्षों तक इंतजार किया। नेताओं ने घोषणाएं कीं, आश्वासन दिए गए और जनता ने हर बार उम्मीद के साथ जनप्रतिनिधियों पर भरोसा किया। लेकिन जब ठोस परिणाम की बात आती है तो क्षेत्र के हाथ खाली नजर आते हैं। अब कोटा से विदिशा फोरलेन जैसी बड़ी परियोजना सामने है। ऐसे समय में यदि प्रस्तावित सड़क सिरोंज-लटेरी क्षेत्र से होकर निकलती है तो यह इस पूरे इलाके के विकास की तस्वीर बदल सकती है। इसलिए सरकार को इस मांग को राजनीतिक चश्मे से नहीं, बल्कि जनहित और क्षेत्रीय विकास के नजरिए से देखना चाहिए।

किसानों और व्यापारियों को मिलेगा बड़ा लाभ

सिरोंज-लटेरी क्षेत्र मुख्य रूप से कृषि आधारित क्षेत्र है। यहां बड़ी संख्या में किसान अपनी कृषि उपज पर निर्भर हैं। बेहतर फोरलेन कनेक्टिविटी मिलने से किसानों को मंडियों और बड़े व्यापारिक केंद्रों तक पहुंचने में सुविधा होगी। परिवहन लागत और समय में कमी आ सकती है तथा उन्हें अपनी उपज के बेहतर बाजार तलाशने में मदद मिलेगी। इसी प्रकार व्यापारियों के लिए भी नए बाजार खुलेंगे। बाहर से आने वाले व्यापारियों और निवेशकों की आवाजाही बढ़ सकती है। स्थानीय व्यापार को गति मिल सकती है और परिवहन तथा नए रोजगार के अवसर भी पैदा हो सकते हैं। साथ ही बेहतर सड़क कनेक्टिविटी का सबसे बड़ा फायदा युवाओं और विद्यार्थियों को भी मिलेगा। कोटा जैसे बड़े शिक्षा केंद्र से बेहतर संपर्क होने पर विद्यार्थियों के लिए आवागमन आसान होगा। इसके साथ ही भोपाल, विदिशा, सागर और अन्य बड़े शहरों तक पहुंच भी सुगम होगी।

क्या एक क्षेत्र को ही विकास का लाभ मिलता रहेगा

सुरेंद्र रघुवंशी ने कहा कि सरकार को विकास परियोजनाओं का निर्धारण केवल नक्शे पर दूरी देखकर नहीं, बल्कि जनसंख्या, आर्थिक गतिविधियों, भविष्य की संभावनाओं और व्यापक जनहित को ध्यान में रखकर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि किसी वैकल्पिक मार्ग से लाखों लोगों को सीधे लाभ मिलता है और क्षेत्र में व्यापार, कृषि, शिक्षा एवं रोजगार की संभावनाएं बढ़ती हैं, तो सरकार को उस विकल्प पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

कांग्रेस परिवार, अधिवक्ताओं और सामाजिक संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिरोंज



मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील कुमार आदिवासी की माताजी तथा पूर्व सरपंच कपूरी बाई का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। श्रीमती कपूरी बाई अपने सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों के लिए क्षेत्र में जानी जाती थीं। उनके निधन से परिवार, परिचितों एवं शुभचिंतकों में शोक व्याप्त है। श्रीमती कपूरी बाई के निधन का समाचार मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों ने शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की कामना की। इस अवसर पर ऑल इंडिया जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट राजीव जैन सैनानी ने भी शोक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रीमती कपूरी बाई का निधन परिवार के साथ-साथ समाज के लिए भी अपूरणीय क्षति है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोक संतप्त परिवार को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। वहीं कांग्रेस परिवार एवं अधिवक्ता समुदाय के लोगों ने भी स्वर्गीय श्रीमती कपूरी बाई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उपस्थित लोगों ने कहा कि अपनों को खोने का दुख कभी पूरा नहीं हो सकता, लेकिन दुख की इस घड़ी में समाज एवं शुभचिंतकों का साथ परिवार को संबल प्रदान करता है। शोकसभा में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा ईश्वर से प्रार्थना की कि पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें और परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें।

राज्यमंत्री ने भुजरिया पर शोक संवेदनाएं व्यक्त की

अनरय वाले एक दर्जन से अधिक परिवारों में पहुंचे राज्यमंत्री पटेल

बरेली। रक्षाबंधन के दूसरे दिन भुजरिया पर्व पर अनरय वाले परिवारों में पहुंचकर त्योहार पर शोक संवेदना व्यक्त करने की आज भी प्राचीन परंपरा जीवंत बनी हुई है। क्षेत्र के विधायक एवं राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल नगर के विभिन्न स्थानों पर एक दर्जन से अधिक परिवारों में नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी और भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे और परिवारों में दुख की घड़ी में धैर्य रखने के साथ शोख संवेदनाएं व्यक्त की।



क्षमा और मेहरबानी की मनुहार

संपूर्ण नगर में अनरय वाले परिवारों में लोगों के पहुंचने का सिलसिला बना रहा। हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष दिनेश बबेली अपने साथी पदाधिकारी एवं सदस्यों के साथ घरों घर पहुंचे। वहीं माहेश्वरी समाज जैन समाज के वरिष्ठ सामूहिक रूप से अनरय वाले परिवारों में शोख संवेदनाएं व्यक्त करने पहुंचे। भुजरिया पर्व आपसी प्रेम भाव मिलन और कटुता दूर करने का भी माध्यम है। छोटे आयु के लोगों ने बुजुर्गों के पैर छूकर आशीर्वाद लिया तो हम उम्र के युवा एक दूसरे के गले मिलकर क्षमा याचना और मेहरबानी बनाए रखने की मनुहार करते रहे। शाम को नदी में भुजरिया विसर्जन के बाद लोग श्रीजी मंदिर पहुंचे भगवान श्री राधा कृष्ण को भुजरिया अर्पित करने के बाद देर रात्रि तक घरों घर भुजरिया लेकर पहुंचने और मिलने का सिलसिला बना रहा।

लोडिंग और बिजली आपूर्ति व्यवस्था की ली जानकारी

बरेली के 132 केवी बिजली सब स्टेशन पहुंचे राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने बरेली स्थित एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) के 132 केवी सब स्टेशन का निरीक्षण किया।

स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री पटेल ने सबस्टेशन की कार्यप्रणाली, विद्युत लोडिंग और इससे जुड़े क्षेत्रों को मिलने वाली बिजली आपूर्ति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान राज्य मंत्री पटेल ने एमपी ट्रांसको के कार्यपालन अभियंता (टेस्टिंग) अभय सक्सेना से सबस्टेशन की क्षमता, वर्तमान लोडिंग और इससे लाभान्वित होने वाले क्षेत्रों के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बिजली सब स्टेशन की तकनीकी कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। मंत्री नरेंद्र पटेल ने सबस्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वर्तमान व्यवस्थाओं को लगातार बेहतर बनाए रखा जाए। ताकि किसी भी स्थिति में बिजली आपूर्ति प्रभावित न हो और आम उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना न करना पड़े।



आउटसोर्स कर्मियों से भी राज्यमंत्री ने किया संवाद

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने सबस्टेशन में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों से भी बातचीत की। उन्होंने कर्मचारियों से कार्य व्यवस्था और उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में जानकारी ली। मंत्री ने कहा कि बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में मैदानी कर्मचारियों की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्य मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप विद्युत व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तकनीकी और सुरक्षा मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सबस्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था और निर्बाध संचालन पर ध्यान देने की बात कही।

राज्य मंत्री पटेल पहुंचे मेला में

चौधरी चौक में बाल मेला, भुजरिया हुई एकत्रित और नदी में विसर्जन



हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

नगर की पुरानी बस्ती के चौधरी चौक में बाल मेला भरा जहां बच्चों ने जमकर खरीदारी की। ग्राम पटेल चौधरी जी के यहां भुजरिया लेकर महिलाएं और पुरुष पहुंचे सामूहिक रूप से पूजन प्रार्थना के बाद घोघरा नदी में भुजरियों का विसर्जन किया गया। चौधरी चौक में भरे बाल मेला में राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल नगर परिषद अध्यक्ष हेमंत राजा भैया चौधरी पार्षद बीजेपी के पदाधिकारी कार्यकर्ता पहुंचे। लोगों से गले मिलकर भुजरिया की बधाई शुभकामनाओं का आदान-प्रदान होता रहा। भुजरिया के मेला में शेरा गाने नाचने और हाथ पैर को लय ताल के साथ बनाए रखने का अपना अलग ही हुनर है। राज्य मंत्री पटेल ने भी शेरा के डंडे हाथों में लेकर उन्हें बजाने और नाचने की लोक संस्कृति के कार्यक्रम में हिस्सेदारी की गई।

नई मंडी के लिए 15 हेक्टेयर भूमि की तलाश के दिए निर्देश

जन विश्वास अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत किया संवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रारंभ किए गए जन विश्वास अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के विधायक राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल कृषि उपज मंडी पहुंचे जहां अधिकारियों किसानों और व्यापारियों से मंडी की व्यवस्थाओं सुविधाओं पर संवाद किया। राज्य मंत्री पटेल ने मंडी में स्थान की कमी को देखते हुए नई कृषि उपज मंडी के लिए 15 हेक्टर भूमि तलाश करने के अधिकारियों को निर्देश दिए।

राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा जनता के बीच सरकार के प्रति विश्वास और



मजबूत करने के उद्देश्य से जन विश्वास अभियान कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याएं दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। राज्य मंत्री पटेल ने मंडी के विकास और समस्याओं पर चर्चा की। किसानों व्यापारियों ने मंडी की अनेक समस्याओं से अवगत कराते हुए समाधान का आग्रह किया।

मंडी में पहुंचने का एक ही मार्ग

ए-क्लास की क्षेत्र की सबसे बड़ी कृषि उपज मंडी में आने और जाने का एक ही सकरा मार्ग है। इसमें एक अंधा मोड भी है। किसानों व्यापारियों ने आवा गमन की सुविधा के लिए फोरलेन 45 मार्ग से मंडी को जोड़ने की जरूरत बताई। इसी के साथ मंडी में भरपूर आवक के दौरान स्थान की कमी की समस्या से भी अवगत कराया।

पक्की सड़क से नीचे उतरते ही फंस रहे वाहन

बायपास 45 मार्ग की साइड में भरी मिट्टी पानी, मुख्य सड़क पर मवेशियों का डेरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरेली

भोपाल से जबलपुर 4 फोरलाइन 45 पर स्थान स्थान पर मवेशियों के झुंड खड़े और बैठे रहकर वाहनों का संतुलन बिगड़ने घटना दुर्घटना का कारण बन रहे है। वही पक्की फोरलेन सड़क के किनारो पर दुकानों पर अतिक्रमण हर चौराहे तिराहे पर सड़क से लगकर दुकान और उनका बहने वाला पानी वाहनों के संतुलन बिगड़ने का कारण बन रहा है।

सड़क किनारे फंस रहे वाहन

फोर लाइन 45 पर अनेक ओवर ब्रिज और अंडर पास बने हुए हैं इनकी सर्विस सड़के क्षतिग्रस्त



हो जाने के साथ बड़े-बड़े गाडडो से वाहनों का संतुलन का बिगड़ने की घटनाएं तेजी से बढ़ रही है। सड़क किनारे होटल ढावे और अन्य दुकानों के सामने वाली मिट्टी और अन्य दुकान के सामने फैला रहने वाला अतिक्रमण वाहनों के आवागमन में परेशानी और वाहनों के फस जाने का कारण बन रहा है। दुकानदारों द्वारा पक्की सड़क से लगकर काली मिट्टी बजरी इत्यादि फैलाकर सड़क को समतल करने के प्रयास में और सड़क किनारे नालियां ना होने से पानी भरा रहने से कीचड़ दलदल बन रही है। जैसे ही कोई वहान पक्की सड़क से नीचे उतरता है तो फस जाने की स्थिति बन रही है। सड़कों के किनारे फैला अतिक्रमण हटाने और सड़क किनारे नालियों का निर्माण बहुत जरूरी है। जिससे कि पानी की निकासी में अवरोध न हो। जिम्मेदारों की उदासीनता से फोर लाइन 45 पर मवेशियों की भारी संख्या और अतिक्रमण कीचड़ पानी की परेशानियां झेलने के लिए वाहन चालक मजबूर बने हुए हैं।

अप्रैल से अटकी पेंशन, जून से शुरू हुआ सत्यापन, जिले में विभिन्न योजनाओं के 1.26 लाख हितग्राही

पेंशन के लिए भटक रहे बुजुर्ग, सत्यापन के बाद भी अब तक हरेक खातों में नहीं पहुंची पाई राशि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत मिलने वाली पेंशन पर निर्भर बुजुर्गों और अन्य हितग्राहियों को पिछले कई महीनों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल माह से पेंशन का इंतजार कर रहे पात्र हितग्राहियों के लिए जून से जीवित होने का सत्यापन शुरू किया गया।लेकिन सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी बड़ी संख्या में लोगों के खातों में पेंशन की राशि नियमित नहीं पहुंच पा रही है। इसके चलते बुजुर्ग हितग्राही ग्राम पंचायतों और बैंकों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। उल्लेखनीय है कि रायसेन जिले में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न पेंशन एवं आर्थिक सहायता योजनाओं में कुल 1 लाख 26 हजार 260 हितग्राही दर्ज हैं। इन योजनाओं के लिए हर माह लाखों रुपये की राशि स्वीकृत होती है। उपलब्ध विभागीय आंकड़ों के अनुसार इन हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के माध्यम से 757.52 लाख रुपये की राशि दी जाती है। इनमें सबसे अधिक संख्या वृद्धावस्था पेंशन के हितग्राहियों की है। दिव्यांगजन प्रमेश पिंकू यादव,राकेश कुशवाहा ,बुजुर्ग रामकली कुशवाह लतीफ खान ने बताया कि उन्हें नियमित पेंशन नहीं मिल रही है। कभी दो तो कभी एक महीने की पेंशन बमुश्किल मिल रही है। जिससे उनको जेब खर्च में परेशानी हो रही है।



67 हजार से अधिक वृद्ध पेंशनधारी

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत जिले में 67 हजार से अधिक हितग्राही हैं, जिनके लिए 402.28 लाख रुपये की राशि निर्धारित है। इसके अलावा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 17 हजार 45, मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा कल्याण पेंशन योजना में 18 हजार 675, सामाजिक सुरक्षा दिव्यांग पेंशन योजना में 10 हजार 516 , इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में 3 हजार 44 हितग्राही शामिल हैं। इसके अलावा कन्या अभिभावक पेंशन योजना, मुख्यमंत्री अविवाहित पेंशन योजना, सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन, सामाजिक सुरक्षा परित्यक्ता पेंशन, दिव्यांग शिक्षा प्रोत्साहन सहायता एवं मुख्यमंत्री/बहुविकलांगता को आर्थिक सहायता जैसी योजनाओं का लाभ भी हितग्राहियों को मिल रहा है।

बैंक और पंचायत के बीच चक्कर

पेंशन के लिए परेशान बुजुर्गों का कहना है कि उन्हें कभी ग्राम पंचायत में सत्यापन के लिए भेजा जाता है तो कभी बैंक में खाते की जानकारी दुरुस्त कराने के लिए कहा जाता है। उम्रदराज हितग्राहियों के लिए बार-बार पंचायत और बैंक के चक्कर लगाना मुश्किल हो रहा है। कई लोगों को यह तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही कि उनकी पेंशन किस स्तर पर अटकी हुई है। पंचायत सचिवों का कहना है कि सत्यापन के बाद भी यदि बैंक खाते में आधार लिंकिंग, डीबीटी या अन्य तकनीकी समस्या है तो उसका निराकरण बैंक स्तर से कराया जाना जरूरी है। इसके बाद ही संबंधित हितग्राही के खाते में राशि पहुंचने की प्रक्रिया पूरी हो सकती है।

सत्यापन के बाद भी समस्या बरकरार

पेंशन जारी रखने के लिए हितग्राहियों की जीवित होने का सत्यापन अनिवार्य किया गया है। अप्रैल से पेंशन नहीं मिलने के बाद जून में सत्यापन की प्रक्रिया शुरू हुई। कई हितग्राहियों ने पंचायत स्तर पर पहुंचकर आधार कार्ड के अनुसार अपना सत्यापन कराया। इसके बावजूद पेंशन की राशि खातों में नहीं आने से उनकी परेशानी कम नहीं हुई है। पंचायत सचिवों के अनुसार हितग्राहियों के सामने अब सबसे बड़ी समस्या बैंक खाते और डीबीटी को लेकर बनाई जा रही है। पंचायत स्तर पर काम करने वाले सचिवों के अनुसार आधार कार्ड में संशोधन या बैंक खाते के अपडेशन के दौरान कई मामलों में डीबीटी पर 'या प्रमाणित अथवा बंद हो जाती है'। ऐसी स्थिति में केवल जीवित होने का सत्यापन हो जाने से पेंशन खाते में स्वतः नहीं पहुंचती। बैंक में आधार अपडेशन के बाद डीबीटी को दोबारा सक्रिय कराने की आवश्यकता पड़ती है। विभाग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सत्यापन संबंधी कार्य 80 फीसदी से अधिक हो चुका है।जिसके चलते सत्यापन के बाद डीबीटी से जुड़े हुए हैं उनके खातों में अप्रैल से जून माह तक की राशि अंतरित हो चुकी है। वहीं शेष जुलाई एवं अगस्त माह की राशि का अंतरण उच्च स्तर से निर्धारित समय पर किया जाएगा। हालांकि रायसेन जिले की अधिकांश पंचायतों और नगरीय निकायों में दर्ज हितग्राहियों के खाते में राशि नहीं पहुंची तो शेष हितग्राही परेशान हैं।

इनका कहना है

मार्च माह के बाद आधार कार्ड के अनुसार ऑनलाइन व्यवस्था शुरू की गई है। जिसकी प्रक्रिया पूरी किए जाने के बाद अब बैंक खातों में पेंशन आना शुरू हो गई है। कुछ तकनीकी समस्याएं भी सामने आ रही हैं जिनका निराकरण किया जा रहा है।

- मनोज बाथम, उपसंचालक, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग

परिजन बोले- सरकार सुरक्षित वापस लाए

नेपाल की तबाही में रायसेन के दो युवक लापता, 26 अगस्त से परिवार से संपर्क नहीं





हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन/मंडीदीप

नेपाल में बाढ़ और भूस्खलन से मची तबाही के बीच रायसेन जिले के दो परिवारों पर चिंता का पहाड़ टूट पड़ा है। जिले के दो युवक नेपाल में लापता बताए जा रहे हैं। दोनों 26 अगस्त से अपने परिवारों के संपर्क में नहीं हैं। लगातार मोबाइल फोन बंद आने और किसी तरह की जानकारी नहीं मिलने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। लापता युवकों में मंडीदीप निवासी हिमांशु शाक्य और सुल्तानपुर तहसील के ग्राम मंजूस निवासी विशेष राजपूत शामिल हैं। दोनों युवक नेपाल के रसुआ जिले में स्थित ऊपरी त्रिशूली-1 जलविद्युत परियोजना में काम करने गए थे। उन्हें मंडीदीप की एंड्रिट्ज़ हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से परियोजना में काम के लिए भेजा गया था।

परिजनों के अनुसार 26 अगस्त के बाद से दोनों युवकों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पाया है। नेपाल में प्राकृतिक आपदा, बाढ़ और भूस्खलन की खबरों के बीच मोबाइल फोन बंद होने से परिवारों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। चार दिन बीतने के बाद भी युवकों की कोई जानकारी नहीं मिलने से घरों में मातम जैसा माहौल है।

सरकार से लगाई मदद की गुहार

लापता युवकों के परिजनों ने मध्यप्रदेश सरकार से अपील की है कि नेपाल सरकार और संबंधित एजेंसियों से तत्काल संपर्क कर दोनों युवकों की तलाश कराई जाए। परिवारों का कहना है कि उनके बेटे नेपाल में किस स्थिति में हैं, इसकी कोई जानकारी नहीं मिल रही है। मंडीदीप निवासी हिमांशु के भाई दीपांशु शाक्य ने बताया कि परिवार लगातार संपर्क करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन उनके मोबाइल फोन बंद मिल रहे हैं। ऐसे में परिवार को किसी अनहोनी की आशंका सता रही है। वहीं प्रशासनिक स्तर पर भी मामले की जानकारी जुटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। ओबेदुल्लागंज एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने मामले को लेकर जानकारी दी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है किदोनों युवक कहां हैं उनके सकुशल होने की खबर कब मिलेगी?

यादव परिवार ने गोसेवा के लिए दिए 11 हजार

मृत्युभोज को कहा न, श्रद्धांजलि सभा में सामाजिक बदलाव का संकल्प लिया



हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन/बेगमगंज

समाज में वर्षों से चली आ रही मृत्युभोज और तेरहवीं जैसी खर्चीली कुप्रथा परंपराओं के खिलाफ यादव समाज ने एक बार फिर सकारात्मक पहल की है। नगर के वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद ओमकार यादव, बलवीर यादव और संतोष यादव की माता स्वर्गीय रूपाबाई यादव के निधन के बाद परिवार ने परंपरागत तेरहवीं का आयोजन नहीं करने का फैसला लिया। इसके स्थान पर रविवार को गुप्ता मैरिज गार्डन में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर सामाजिक बदलाव का संदेश दिया गया।

80 वर्षीय स्व. रूपाबाई यादव पति स्व. रामसेवक यादव के निधन के बाद आयोजित श्रद्धांजलि शोक सभा में यादव समाज के वरिष्ठजन, जनप्रतिनिधि और विभिन्न समाजों के लोग शामिल हुए। सभी ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित कर शांति के लिए प्रार्थना की। सभा के दौरान वक्ताओं यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष कृष्णा बिट्टू यादव, युवा यादव महासभा के जिलाध्यक्ष मुकुल यादव ने मृत्युभोज और तेरहवीं जैसी परंपराओं पर खुलकर चर्चा की। यादव समाजजनों ने भी इस पहल की सराहना की।

तेरहवीं की जगह श्रद्धांजलि

शोकाकुल यादव परिवार ने तेरहवीं के स्थान पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने के साथ ब्राह्मण भोज कराया। वहीं सामाजिक कामधेनु सेवा समिति को गौसेवा के लिए 11 हजार रुपए देने का संकल्प भी लिया। परिवार की इस पहल की सभा में मौजूद लोगों ने सराहना की। कई समाजजनों ने भी संकल्प लिया कि भविष्य में मृत्युभोज जैसी खर्चीली और रूढ़िवादी परंपराओं और कुप्रथा को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा।

हलाली डैम के समीप की रामकली गोशाला में बदहाली

जिले की गोशालाओं में सालाना लाखों का अनुदान फिर भी चारा-पानी के अभाव में दम तोड़ रहा गोवंश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

रामकली गोशाला हलाली डैम सहित जिलेभर की गोशालाओं में सालाना लाखों करोड़ों रुपए का अनुदान बजट खर्च होने के बाद भी बदहाल हैं। गौ शाला प्रबंधन समिति वहां रहने वाले गौवंश की सेहत के प्रति गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहीं हैं, जिस गोशाला में बेसहारा गोवंश को संरक्षण, पर्याप्त चारा-पानी और सुरक्षित आश्रय मिलना चाहिए, वहीं सांची विकासखंड के हलाली डैम के नजदीक स्थित रामक़ली गौशाला में बदहाली का मामला सामने आया है।

गोशाला परिसर में मृत गोवंश के शव और अवशेष दिखा देने वाले वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने गोशाला संचालक पर लापरवाही बरतने और गोवंश को पर्याप्त चारा-पानी उपलब्ध नहीं कराने के आरोप लगाए हैं। कमोवेश कुछ ऐसी ही लापरवाही के आरोप ग्रामीणों द्वारा भादनेर, मेहगांव, नकतरा, बघेडी आदि की गौशालाओं के बुरे हाल हैं। रामकली गोशाला हलाली डैम के ग्रामीणों के मुताबिक पिछले करीब एक सप्ताह में लगभग 10 गोवंश की मौत हुई है। गोशाला परिसर में दो से तीन मृत गायों के शव के साथ एक बछड़ा मरणासन्न हालत में दिखाई देने की बात भी सामने आई



है। ग्रामीणों का कहना है कि कई अन्य गोवंश भी कमजोर और बीमार हालत में हैं। आरोप है कि मृत पशुओं के शवों का नियमानुसार निस्तारण कराने के बजाय उन्हें गौशाला के आसपास खुले में छोड़ दिया गया। जहां श्वानों और अवशेषों को कुत्तों तथा जंगली जानवरों द्वारा नोंचे जाने की स्थिति सामने आई है। रायसेन के वार्ड 01 नरापुरा स्थित एक गोशाला में गोवंश को पर्याप्त मात्रा में चारा और पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। कई पशुओं को हरा चारा और पौष्टिक आहार नहीं मिल रहा, जबकि गोशाला संचालन के लिए शासन द्वारा अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। गो शालाओं के बदहाली की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। बावजूद इसके जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी बजाय एक्शन लेने के गोशाला संचालकों को अभयदान दे देते हैं। जिससे गौ शालाओं के संचालकों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

दूध देने वाली गायों को भी सूखा भूसा देने का आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि शाम के समय गोवंश को गौशाला में बंद कर दिया जाता है और दुधारू गायों को भी केवल सूखा भूसा उपलब्ध कराया जाता है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन प्रशासन द्वारा गोवंश के भरण-पोषण के लिए पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जा रही है, तो पशुओं को उसका लाभ धरातल पर क्यों नहीं मिल रहा। ग्रामीण अंकित सिंह यादव, आकाश यादव, दीवान सिंह कुशवाह और रज्जू बघेल ने गौशाला संचालक की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका आरोप है कि गोवंश संरक्षण के नाम पर मिलने वाली शासकीय राशि का समुचित उपयोग नहीं किया जा रहा है।

इनका कहना है...

गोशाला का निरीक्षण कराया जाएगा, यदि आरोपों की सत्यता पाई जाती है तो समूह संचालक को हटाने के साथ ही पशु अत्याचार अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराने की कार्रवाई की जाएगी।

एके शुक्ला, उपसंचालक पशुपालन विभाग रायसेन

मासिक धर्म में अब नहीं होगी परेशानी, सुल्तानगंज में पीरियड आपातकालीन सहायता केंद्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुल्तानगंज

मासिक धर्म के दौरान अचानक सैनिटरी पैड की आवश्यकता पड़ने पर महिलाओं और किशोरियों को अब असहज परिस्थितियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी उद्देश्य से सुल्तानगंज स्थित फिलिंग स्टेशन पर रंजीता इनिशिएटिव फॉर सोशल एम्पावरमेंट फाउंडेशन (राइज) द्वारा ह्यपीरियड आपातकालीन सहायता केंद्रह्व की शुरुआत की गई।

केंद्र का भव्य शुभारंभ महिला सम्मान, स्वच्छता और स्वास्थ्य के संदेश के साथ हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री रंजीता प्रियदर्शनी, वैश्विक महिला अधिकार अभियानकर्ता तथा सवेतन मासिक धर्म अवकाश और सैनिटरी पैड आपातकालीन केंद्र की संस्थापक, रहीं। उन्होंने कहा कि मासिक धर्म किसी भी महिला के लिए शर्म या संकोच का विषय नहीं, बल्कि प्रकृति की स्वाभाविक प्रक्रिया है। आवश्यकता के समय सैनिटरी पैड उपलब्ध कराना केवल सुविधा नहीं, बल्कि



महिलाओं के सम्मान, स्वास्थ्य और गरिमा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में राइज की राजदूत रंजीता प्रियदर्शनी एवं उच्च न्यायालय की सचिव सुमन श्रीवास्तव, समाजसेवी संगीता कृष्णात्रेय, सरपंच सुनीता अहिरवार, पंप संचालक विनोद श्रीवास्तव, पत्रकार सत्यवन गोस्वामी, डॉ. जयकुमार जैन, पत्रकार शैलेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस केंद्र पर जरूरतमंद महिलाओं और किशोरियों को निःशुल्क सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएंगे। साथ ही मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, शौचालय के उचित उपयोग और स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक सावधानियों के प्रति भी जागरूक किया जाएगा। शुभारंभ अवसर पर अतिथियों ने कहा कि एक छोटी-सी पहल समाज में बड़े बदलाव की शुरुआत बन सकती है। स्थानीय नागरिकों ने भी इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं और किशोरियों के लिए उपयोगी तथा सम्मानजनक सुविधा बताया।

बदहाली का शिकार सुकासेन सहित आधा दर्जन गांवों में पक्की सड़क की आस टूटी

बारिश में 'टापू' बन जाते गांव, ग्रामीण चंदा करके गड्ढों में डालते मुरुम अलंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ सलामतपुर

विकास के बड़े-बड़े दावों और 'डिजिटल इंडिया' के दौर में आज भी भोपाल-विदिशा हाईवे-18 से सटे आधा दर्जन गांवों के हजारों लोग एक अदद पक्की सड़क के लिए तरस रहे हैं। यह दर्द किसी सुदूर वनांचल का नहीं, बल्कि राजधानी के पास स्थित रातातलाई पंचायत के सुकासेन मार्ग का है।

साल 2015 से लेकर आज (2026) तक, यानी पिछले 11 सालों से ग्रामीण इस बदहाल और कीचड़ से सनी सड़क पर चलने को मजबूर हैं। बारिश का मौसम आते ही स्थिति इतनी भयावह हो जाती है कि लोगों का घरों से निकलना दूभर हो जाता है, लेकिन



प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। भोपाल-विदिशा हाईवे नंबर 18 से सुकासेन गांव की दूरी लगभग ढाई किलोमीटर है। पूरा रास्ता पूरी तरह से कच्चा है। साल 2015 के बाद से इस मार्ग की सुध नहीं ली गई।

हम लगातार प्रयासरत हैं

सुकासेन मार्ग की स्थिति वास्तव में बेहद खराब है और ग्रामीणों की परेशानी जायज है। पंचायत स्तर पर जो भी सीमित संसाधन हैं, उनसे हम अस्थाई सुधार करवाते हैं। इस सड़क के पक्कीकरण (डामरीकरण) के लिए पीडब्ल्यूडी और वरिष्ठ अधिकारियों को कई बार प्रस्ताव और मांग पत्र भेजे जा चुके हैं। जैसे ही राशि स्वीकृत होगी, काम प्राथमिकता से शुरू कराया जाएगा।

रघुवीर सिंह मीणा सरपंच, रातातलाई पंचायत

भरा ट्रक, चालक-क्लीनर फरार



हरिभूमि न्यूज ⏭ दीवानगंज

भोपाल-विदिशा हाईवे- 18 पर रविवार तड़के एक बीयर से भरा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया और करीब 5 फीट गहरी खाई में पलट गया। हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 5 बजे ट्रक क्रमांक एमपी 04 जेडआर 8984 मक्सी से छतरपुर की ओर जा रहा था।

पीएमश्री शासकीय विद्यालय दीवानगंज के पास पहुंचते ही ट्रक अनियंत्रित हुआ और सड़क से नीचे उतरकर गहरी खाई में पलट गया। हादसे के बाद ट्रक चालक और क्लीनर मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

गणेश-दुर्गा प्रतिमाओं के निर्माण पर मौसम की मार, गणेशोत्सव अगले माह

जलभराव में खराब हुईं मूर्तियां, रंग नहीं सूखने से टेंशन में मूर्तिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायसेन

श्री गणेश उत्सव और दुर्गा पूजा का समय जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे शहर के मूर्तिकारों की चिंताएं बढ़ती जा रही हैं। 20 अगस्त को शहर में हुए भीषण जलभराव और उसके बाद से लगातार जारी बारिश ने मूर्तिकारों की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। जलभराव के कारण कई स्थानों पर निर्माणाधीन प्रतिमाएं खराब हो गईं। वहीं मौसम साफ नहीं होने से बची हुई मूर्तियों की मरम्मत और रंग-रोगन का काम भी प्रभावित हो रहा है। गौरतलब है कि इस वर्ष गणेशोत्सव 14 सितंबर से शुरू होगा, जबकि दुर्गोत्सव 11 अक्टूबर से मनाया जाएगा। ऐसे में श्री गणेश दुर्गा प्रतिमाओं को तैयार करने के लिए मूर्तिकारों के पास अब बहुत कम समय बचा है।

लगातार बारिश और नमी के कारण मिट्टी की प्रतिमाएं ठीक से सूख नहीं पा रही हैं। वहीं रंग-रोगन के बाद भी धूप नहीं निकलने से रंग सूखने में परेशानी आ रही है। शहर के मूर्तिकार लखन चक्रवर्ती, कालूराम चक्रवर्ती और सुनील महोबिया ने बताया कि 20 अगस्त को हुए जलभराव से उनका काम बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई मूर्ति निर्माण स्थलों में पानी भर गया था, जिससे निर्माणाधीन श्री गणेश और मां



दुर्गा की प्रतिमाएं खराब हो गईं। जो मूर्तियां जलभराव से बच गईं, उन्हें दोबारा ठीक करने में अतिरिक्त समय और खर्च करना पड़ रहा है। मूर्तिकारों का कहना है कि पहले से तैयार प्रतिमाओं में नमी आने के कारण मिट्टी कमजोर हो गई है। ऐसे में प्रतिमाओं को संभालकर दोबारा तैयार करना आसान नहीं है। लगातार बारिश के चलते खुले या अस्थायी शेड में रखी मूर्तियों को भी नुकसान का खतरा बना हुआ है।

समय पर डिलीवरी देना भी बनी चुनौती

मूर्तिकारों का कहना है कि इस बार सबसे बड़ी चिंता समय पर श्री गणेश प्रतिमाएं तैयार कर आयोजकों तक पहुंचाने की है। जलभराव से खराब हुई प्रतिमाओं को सुधारने में दोगुना समय और खर्च लग रहा है। वहीं लगातार बारिश से निर्माण, रंगाई और सुखाने का काम प्रभावित है। मूर्तिकारों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मौसम साफ होगा। ताकि वे दिन-रात मेहनत कर गणेशोत्सव और दुर्गोत्सव के ऑर्डर समय पर पूरे कर सकें।

नमी और बारिश से थमा रंग-रोगन का काम

शहर सहित जिले के मूर्तिकारों के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती मौसम का लगातार बदलता मिजाज है। बारिश के साथ वातावरण में भारी नमी बनी हुई है। मिट्टी से तैयार प्रतिमाएं समय पर सूख नहीं पा रही हैं। रंग-रोगन के बाद भी पेंट सूखने में काफी समय लग रहा है। इससे मूर्ति निर्माण का पूरा काम निर्धारित समय से पीछे चल रहा है।मूर्तिकारों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में मौसम साफ नहीं हुआ और धूप नहीं निकली तो गणेशोत्सव से पहले सभी ऑर्डर समय पर तैयार करना मुश्किल हो सकता है।

दोहरी मार: महंगी सामग्री और घटती मूर्तियों की बुकिंग

जहां एक ओर कुदरत की मार से मूर्तिकार परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर बढ़ती महंगाई ने उनका गणित बिगाड़ दिया है। इस साल मिट्टी, पराली, प्याल, बांस, सुतली और वॉटरप्रूफ रंगों के दाम बढ़ गए हैं। इससे प्रतिमाओं की निर्माण लागत पहले की तुलना में काफी बढ़ गई है। वहीं खराब मौसम और जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रतिमाओं की बुकिंग भी अपेक्षाकृत कम हो रही है। गणेशोत्सव और दुर्गोत्सव के लिए मूर्तियों की बुकिंग करने वाले आयोजक और गणेशोत्सव समितियों के लोग अभी निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं। इससे मूर्तिकारों के सामने आर्थिक संकट की स्थिति भी बन रही है।